



धर्मरत्न वज्राचार्य सुरत श्री महाविहार DH444

ओँ नम श्रीघनानुत्तरभ्यः॥ ओँ नमः

श्रीचैत्यसम्बुद्धायः॥ ॥ भगवं कामु

खबुयह्नवि गमिमितिनुकाः

मनूगङ्जे रामीदि स्वङ्पार्द ब्रह्ति

पत्रिंाबंतहकाकाग नग॥ मओ

॥ख॥ स्कन्दुस्कन्द्रात्वलिनलिनित्संनागार्जुन
॥१॥ स्वर्वेष्या॥ हस्लाइंकृजपाद्दवधनुत्गन ॥२॥
र्येयश्वनुस्र ... ष्वनस्य॥ श्रीथि
याया संसारचक्रे विलवयोनिमतः
सन्निधायामहृता॥ सा धियस्य पसाः

यविसतिनिजहृवं स्वामिनीनिस्त्रुर्यव
तस्वाष्ट्रष्ट्रालवेजं सम्बवर्णीतास्त्वेफ
त्यनाजातनू ... का॥ कुर्वीतः
स्याघ्रिघपक्षेभि त्वीसीविनिमर्ये सहृ
गुनूसर्वकानी॥ ॐनमश्चण्डीय प्रनूपे

॥ ब ॥ श्व नाय ॥ ओं नमः श्री वज्र सत्वला
॥ २ ॥ य ॥ नाम [illegible] शेषि ॥ ओं नमः श्री व ॥ २ ॥
ज्र सत्वलाय ॥ [illegible] ॥ धर्म्मः
धातु जिनहृदया ॥ नन्दकालिका ॥ का
ला ॥ जगदालोकलोचने ॥ [illegible] क

मलाम नस्तु गोशिवर्द्धन ॥ कलेफ
मला ॥ काला ॥ सहज्ञानन्दकालिका
[illegible] ॥ निवि लोजिनहृदया ॥ [illegible]
लाहं दना ॥ काला ॥ नरनि मेह कुमा
ला ॥ [illegible] ॥ नाम [illegible] निवि
७

स्व ॥
॥ ३ ॥ विगमसनाहविन्दुखिम्बा२भाकाचवि
चाचितनुसंख्या॥ ☸ ॥नमामि३
चागिश्वरम   यतमुनिहृद ॥ ३ ॥
या२विनातयिकुमंगमवमनाह२
मयतजिनहृदया॥ ॥पीतनीलानू

तसितवपवत२पूंचजिनमकुणमहि
लपद्मा॥ ॥धर्म्मचक्रमुद्राक्रान्तिग
मनाशि२प   द्दव्वायीयव्वाप
शावस्थानं॥ ॥सुनामसनमिमव
वैहो२रानयिपदमादिवजजिनगु

च ४ ङालयन ॥ ❀ ॥ चागतिनमङलि ॥

भनिनभनलगलगाहलिमाञ्च म ४

श्री यमधुलव कुलापारवङ

३ पैगलगवजालमथविनदिलि म

चमधुलवकलापा ॥ ❀ ॥ उमधुकैं

अयिथा गुत्यकनूघाः थालिगन्हयू

तुके थयिथारवगवानाहि थालिगाहु

मच्चनकायिपि या ॥ ॥ ॐ तिसि वि

नोविवश्वनजाहिजाहिकाहि माहि अ

रुम्मम्मने रञ्जनूहलसर्वदिववङ

॥ ८॥ थाद गद वोमि चोंगिय हृयनतांहाव ॥ ॥
॥ ५॥ ग्रितवनतु क्ष्णते कु चायत नांजो ग्रिव
नतु क्ष्ण क्वि वोंविनाशग्रिनि ॥ १॥
तवनननवनाढ कृतंग्रसादिस्ले हति
गलतयकाकानो ॥ ॥ ग्रहिनिगि

संसगतुनुवो लनु चोंगिल स्वादिंग्र
लयोवगवे २ङ नमसनेनतय
वस्वनेक्ष्ण द्रियनतयमो
नुथ्वीतियसंहावे ॥ ॐ ॥ वाक्षलानि
थनुनवनथनावंकानसंतव

[illegible]

ते सूर्यो चिलिगविश्विप्र कलगं २
ॐ श्रकें कायवजाभृगमृकसत्र
सं श्यधिन श्यानश्चामर्थ
श्रू ॥ वज्राभृतनससधिहल
दायकसर्वजिनश्रापिमसहग द

लगं: गगनमलक्ष्मधदगुन्यनाक
सृशालाभमेनानजगनविनगतू
यौ ॥ वजय नमानूवगंश्री
तंयूकगंधवश्रधिनपचपिपूर्वं
कजानलेश्रपूल्पसंपद्धवजलेलापि

नविनायकतर्णं॥ ॥भट्टसभ्रूतनमक
रूपतानअाहृत्यमहाकिनिगलाङ
रूपंश्रसीटित साधनवदादेव
ता चक्रस्थानसत्वमानीयकुट्टीक
कलर्णं॥ ॥पाश्चादिव्याअमनदा

नपून्यसतन·समयसत्वपुर्वमितावि
मलपालगं२महानागद्रुविदत्यवी
द्विविकरूपस सभसत्वस्था
नमवनुकिहर्तां॥ ॐ नागमन्त्र
नैवेद्य॥ ॥जिनसायनचतुर्वक्त्रविश

३ शमा

[illegible] गी २ कवइं व्रतिस्थामनु लह म [illegible] ञ्ज
[illegible] ॥ श्रा न ही मक न यि या ई ईनी हि व उ
माला २ या गा ह [illegible] ह वा धि ल क्ष ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॐ ॥ घ हा य ६ ६ उ या य नेव जा २
नीव गीसवा यो कि ञ्चा ख्यें वयि य श [illegible]

ॐ ॥ [illegible] न स हि न क न सु वा ने पा व २
जे ला यि व जा न न श्यां ह्रीं ति द ना ॥ ञ्ज
के ह्ने वा लि न ञ्ज [illegible] घि ले न ह म र
व ङ प व न घ न वि य सेवा भा [illegible]
[illegible] ॥ न क व ६ [illegible] नि ला य हा [illegible]

इ श्री परसोगद जगत् गुरु नकिं नि
ॐ ॥ गुरु दवी बाबा नुह्नि मामे किदवी २
उगतप्रसादितें ॥ मयदास जीयो ॥ ॥९॥
॥ ॐ ॥ आगमवेद पुराण वखानिर
आगमनिदिआगनू उपदेसा ॥ ॐ ॥

पंच पुरुख नू पकमन ॐ २ सपाल
जोगिनी मोसे ई वलगुई पत्रो ॥ ॐ
ॐ सगगुरुवचन ॥ लेगिलगतह्न
नियाउ २ तनीय वाक वगसनाख
नूपि ॥ ॐ ॥ [illegible] नमहे

पा
।१४।

काद्ःनुपधनु२स्वञ्छविमरवनु
धवह्नु॥ ॐ ॥गनाक्रुं क्रुं गनाक्रुं क्रुं १०
गनागनक्रुं क्रुं क्रुं॥ द्रुसाआ
लिंगनयागधनु२स्वजपट्छनु
जधव्॥ ॥स्वपजस्ःगुरुनदं६

धनु२सनंदमृगआहियवन्हुमनु
॥ ॥मायादेवविलजगुरु२साहिय
३ केरनमल मफ॥ ❀ ॥
श्री नागस्वगोजोम्मान॥ ॥ग्रिवङ्कन
२ विगंगिमनुलनाय्न्न स्थिनिश्रा

ब
११ नन्दनसुनिधनाऽस्वगणानाहि श्री-
लिंगतमस्खला·नानानाश्रिमह
ज्वला॥ ऋ॥ ○ ॥अन्यकेइं तनाकृ ११
कैमना त मुरूरूरू॥ ॥नीलवर्ण
वनुवक प्रतिमूरवगेनगा पत्नपाने

दमसुनिधनाऽस्वि श्वबगश्रद्द
वस्तुगनामकृट धनाहजालयह
समानिता॥ ○ ॥वजयपहगग
वेमेंउ नसुरवसाग·विन मानन्द
सुसुनिधनाऽकनादिकपालपत्र·

गुणागणिन्नत्रमसिस्वंधयाख्य-
प्रवर्मकादिवीरिहता॥ ॥दिगंवि
हिंगेकाका। स्यादियमप
क्षिनदवी। महजानन्दनूरीतिध
जा२ नमामिश्रीचक्रसम्वला। स

१ नगूरु। बवलमजाविना॥ ॥ना
गपंवम॥ज्वलितवजानन्नचीवेग
मिहविद्या वीचिगंकावला
दशीमिहडूयान्यप्रिवेहवि
ह। पाचिमीमिनवामिविन्द।

र्धं॥ ॐ ॥ पवनानन्दमूर्ति
रूपध्यानि क्रोधाधिपश्रीमहाव
ज्रानाय ॐ क्रोधाधिपः
श्रीमहाबल॥ ॥ज्वलितकमल
संस्थ्य सहजानन्द पवनतरंगस्

थि नगाथिपेरुपञ्चवहूट
नमहूट श्री क्रुद्धगीतानन
दिनवाम ॐ हूँ मण्डला
यवि वज्रपर्यकाणन हुँ हुँ मन्
गन प्रज्वलितारवज्रवज्रत

नदीहिनकवथानी-बानपृ
स्यस्वाय पिभनी। ॥विधि-
प्रनेलाप   नलपधिप
स्यलीपिज नेगमूस्पीनेनुपे२
गपम्बचनलकमलप्रसादं

लमोभिपनसा मिनिलायद ॥
॥ .... कोलाथिले-
भिमवाला   मुमुनिनुक
लकालार सनकोपोथिलीपव
आयि: कनुकुपायिनलोला

च।। ॐ ॥ लयर्कं कु ञ्ज्नुवजायिः
१५: ञ्हिमामानहिवजायि॥ ॥क
हिंहलूखा जनयंध्वःम ११
यनायिवायिनवायिः२ण्लका

लँजनयदवायिः ञ्ज्नुवजन
वायि॥ ॥वज्ञ्लमनकल्यिति
ला·कपून लावनवायिः
मलजंपिधनमाजलं·ख्वहन
लूखाजनवायि॥ ॥ग्रखूनकुग्र

श्री । ७९

कुनैन· गुह्यगुह्य नमूनायि२श्री
तगूद्धअंगव स्वावर्षियया· गहि १६
लूखागम लायानयाय
[illegible]मानाजोगि। सर्वबुद्धविबुद्ध

मह्नि गाविश्वमास्रकधीन२खगः
आगिनीवगमह्निगकालथना
ठुलाच्चना ध्रु नमामि
वाफोलिसिद्धिआगिनीगाणम·
न्निगार२थूफक्सोद्धिसाङ्गमिद्धिपा·

श्री १॥ गिनीमनिता॥ ॥आदिमनहु
नगजसन सदिपमाल
विक्रवार ० चक्रिकुहु १
नकदि०मोजकमरवलावि
मिमा॥ ॥कवादिरनसनमा

नक्षत्रनीमकुदकगादिगन्धनार
मुकुमालालक्षोगमालिमालल
क्षिकाहयक ० ना॥ ॥कर
वीनक्रूनेका मयलविधाविया
पिनार दुक्रबनहोगिलेधपित्र

[illegible]

[illegible] मालेते [illegible]

सायिलेस [illegible] लाः धन

यिकवाक्रोलिलिल [illegible] गाय्तु

धालन्ते नहियाकृ [illegible]

कशादिमखवा [illegible] नेतनमा

नूसन्वलला [illegible] समनगुरथीम

नुकालाः [illegible] नाहिनि

वशवाजाहिं [illegible] नूलाना

लीलामायदाजलसहत [illegible]

ग नं·कर्पूरकाथिगंधो लोवणगल
११९ मिलावर्ह्णि भोडिं लंगाधं·वैतुन १९
शुलवीर [illegible] दो [illegible] प्रिश्चभ
उत्कटकुं कस्त्रादि यलसमस्तय
मिसर्वि [illegible] रकोनारह [illegible]

शाहिनिकंगवानाहि गुक्षाविनुद
स्वनिर्थधना [illegible] भरानिहि
लावगतिलि [illegible] धातुनं·भग
गलवनुहं ज्ञानाथ रसमनमा·
नन्दक्षोलंगलनगजुल·हंम्बल

२० श्री भासाहि ... भागकहृदि
त्रि ... गवापखि थागिनोदहक
श्रादे रकत ... तंकृलितघ २०
सकनकुँछेवांघ॥ कृ॰ श्री
मिगुक्क चिनेखवलकृजिवांगौष

२ मी यानुहृल्लि चि प लकमनसौपि
वांघ॥ कुंकेथके छोगिनोन्य
नआः २ मगिछलवाहृ
या तडोहृप्रानसमानं॥ ग्याम
घनधाथल्ही वियगाने २ वडुल

र्व इ दि ध मु न (... ग
गे क्रि अ ह गे न ... ड श्री धि नो
२ व न ग न ... नि मा न ज़ २९
ग न उ वि न ... न मा न का
हा ले ... थि द य आ ।।

न ग न उ गि ।। च क्रि कृ द्द ल क लि
लो च क गं ल गि पि क गि ब नो·
ड न न गि न ... मा ला श गि
ले च क्रि च क्रि लै या न न वि ह
गे ग ग न गा डि व धू नि ला या·

श्री ॐ धत्र ह्नलगी हृनूवम नानू
२२ कालायाजुंम नाथथी सन्व
नेलाचा॥ ॥वजूक नीट गु
हाथ्य धनियाकं६८ऋयाउ २२
ह्योप२सनेधूगयागिनीकमल

विहासिंघलमहामूरवमेत्रि
प्रसादे ॥ ॥वरुथानीहिभालि
गडानम्बल नासंपत्नु
विविहवसंग्य२वाकुलिकाते
लेशाक्रिदानिहिसूदा अर्हिापिहीं

धंतानमत्संथ्यं । ।महड्उसट
रिसेआअणगिकर्णयाप्राहे २३
जुडुंचमहि पुस्माद२प्र
जा॰जलिंमहाक्रिदमिहंडुग
विचार्सांधेगत्यकतूला॥ श्री

नामदितेदि॥ नमणमेनुमहम
लिकेर्सकिनासि॰ पुर्वकिदेह २४
दुन्नाहेहर्यर अपवग्रमय
वीपउत्कुंकनुरविहायेनवकृके
धंचार्गिनवायिमालरे॥ श्र ॥

नमर्यवसूरिविरयधोजित
विस्वहुताव हनर्यवस २३
नृगि२भस छिपानन
वहतिजिनमानसाह्यतु
हयोगिमिलघनधानन्ध

गानंदनेसपाउयाद्विनमाउयाद्वि
धनिजाउभनं२स्वसनलाउ
बद्विपवुठवि द्विगांवनं
गोजमद्विपयोरवस्वपनाह
दिलद्वलक्षांवियननर

ब २६ ति ग्रथा विपमलफलग्रहाद्दघ
चुम्बिपालि २ खेलनलाउदीर्दव
ल्लायकेव ॥ कामोहि ॥ २३
लीनिधिनिरिपिलनस्थानि
गल्लूचवनलीदिकललेसारगानि

पनिहावनामनंकूलमउदकप
पितमोपिपूजा २ प्रहवपाय
ानविमः ॥ पूयानिरूपिता
नवजलीनपिमनकुपसठुः
रो ॥ नामले—निता ॥ निम्मानोदिः

च
२४ वसुधरिद लास गीनूद गथाग
गर्कादि हू त मादेपूपि २ सामिल
प्रीलिगाल लिगाद्दिगमि गु
निनगनी ल मूनायुमठल २४
नूपि ॥ ॐ नमामि देवीर्था

वङवीगालिनि श्रिनि तमहय
गै स्वत मज्ञ मनूपि २ ङ
दियानेपूहू गिनिकाम
नूपगीहतगुविगुडु मह्ल
नूयांनि २ वसद लनगीनू

च वनधर्मचक्रमोद गदलगं
२५ सैषागचक्र२द्याक्रमानद-
लेकुंमलन हान्खव उ
कंकुंकानतूयपीहनुकना २५
थं रहिगिनविधाधिपितिन

पार्शदिनसर्वाभूतधन
यानोस्सूपि२पिभदिदम
ामिलगा पूगनिगिन
शेनसायनीवनेश्वनी
स्पर्शनप्रातिविन्दुजलगचन्द्रु

श्री
२६

नमश्रीहिति हृनतुंगिवग
ईवीरजंम्मजन्मशंगुकृया
यतनशी   दुर्गतिनाश
नमोक्षप्रसाता ॐ नागम
ओतेनोवि गअक्रुदहन पं

२६

नहनख्वनूर्यरर्ये वामृगन
मयंवमा   लिपूजिग ध्रु
गुक्रुईवीव   निलायाग्रह
वधाविनारविमनतेनोर्यचक
मयानदें   विनोदिनख्वन

पं ३ सहजानन्दे२कलिकामाला
तनहस्यानन्दः॥ पंचवक्
त्रपंचरत्न ध्वलनूर्ध श्री
२देवामसननवपद्म नहि ३
दया॥ ॥ॐ ह्रां ह्रीं फ्रीं वस्वध

नकीनैत२उमनूपञ्चध्वनि
चिनमानन्दे॥ ॐ॥ नागकर्ण
ठिस्वरूप गिवीदेवीत्रि
इवनव्यापिनी२विघ्नमालदृ
ष्टदर्प्पनविनाशिनी॥ ॐ ल

ब. २८ नाभिरग्रीवग्रवानाहिरश्रीद्धिसिद्धि
दायनिरुमागनवी॥ पूर्वद
लगनवक ॥ वघ्नागिर ॐ पु २८
श्मनेयामिनिदवीनीलवदीन
वायुव॰श्रीहिनिरवी॰थन

वह्लेता२ पश्चिमेस चामिनीरश्री
मेनवदेहा ॥ नेसल्पसंग्रा
नानिदवीहरि ॥ नवह्लेता२
दक्षिणेचामुण्डादेवी क्रमनवह्ले
ता॥ ॥ चतुर्थेन्द्र जाननायदि

मुहातत्व हा र स्य त्गौंगसं त वन
२९ व नम दिगम्बना ॥ॐ॥ नागहे न
द्रि डों भूकै हदूश्र नं ह्रि ग्रु २९
वे स्वाह मं ग्रउ वा नह नै र स्पूगा
पूस्पक पूत्र्प सा ध्य तव स्व हूधव

लिता वे ॥ ॐ ॥ सर्वरवरवाहि र वलि
पूस्वै घघवाट्य रं नवींवि ग्रह
ण्ँरधं वानृय नसयं पोसां
ण्ँ पंव ज्ञान सर्वनिद्दाम ॥ ॥ सर्व
ड्ग्स नाकेल लेषु तपि गम ज्ञाना

थ दानपस्मानं २ गजकगाकीनइथि
३० अकृतस्मानं ॐ दवलिगृह्नेठि ज्ञा
नै ॥ दान यनितवंका ३०
र्थगवपातवंसिद्धिसम्पदञ्जं
नेन र गथवाथेवह गर्थपि

वर्धनं त्रिपुर्थमातृकमर्धनं ॥
॥ समयानगुदानखागिनं
सर्वसिद्धि स्यदम्भागिनं २
श्रीलानगथमगकववनं सर्व
सिद्धि सम्पद प्राहुनो ॥ ॥

थ ३१ अनिल ४ अमूल नदेनकार्ह॥ गु
४ जनकृ १० ॥ ॥ दवीगाणि ६ ला ३२
जगन्नण १८ ॥ हि हीउगर ० गि
गनोकु ॥ थूणि नह स्पणा ॥

नजनोदि ॥ प्रिदलनेगगन
थनकथे भोदयोः थंका
ओदगनवी वडवीनाहि २
॥ हिहाजनक नूख नकवर्षः
नगनमकूटकंणदिगनवा ॥ ३२

ग्रं
२०. ह्रंः ॥ नमा ॥ क्रं ह्रं ह्रंः ॥ मा क्रं ह्रं
ह्रंः नमा ॥ ॥ ह्र ह्रं ह्रं ऽ विभु
ज्ञाननिर्द [illegible] वीर्य्य यवम ग्रं २०।
गु कृ भगो ॥ सादिगि द्वक्त:
प्रलादयानि ॥ ॥ दहनेकन

ग्निमालभयकुदनि: वाभक
पालमालसविवपिरवक्रिः
कुग्गुलक [illegible] थ्यमाता: ग्र
थ्यलालक भरवलटविमा
॥ ॥ न्नहानो पूवर्मोपिकादि

मखना नर्षिनमालाकथ्य
धार्मिरम् साधुनवन्दिना
वादपद्म त्रिलोकजन
निवनगमिसध्वजा ॥

शीलवगदेवीसविनचनगः
तवत्यतानानिविन श्चगीरस
ह गानन्द श्चनूपिनि
देवीः ऊन्लुकनवाधिप्रदा
यनिः ॥ ३६ ॥ गागविलास द्वि

पु
२१ दुगनुकमलेन्दु॥ वृषेभरत्नमम
कृटकेगार्ज्जितलोचना ॥ कु
नमारचीवृद्ध ॥ आकीनवि पु २१
भजनानिरप्रिहवनस्थायीनीकं
संज्ञानदायनी ॥ दीहनकवव

ऊविनाशिनिदग्धां ॥२॥ वामद
गटकवगुर्मालतीपिकयो ॥ ॥ग
गुनिमह्लतमा ॥ मुक्तादपान
मद्य२नवलैनोप्रनचवनधमक
नंप्रवंप्रिमा ॥ प्रीविसाधवि

च
२३ दवीसूननिगा२सकलप्रकृति
हिदहिमसाग गागकहो२ि ग
श्रीहवजनेना नार्देवीपिठ २३
वदनाय२पुंवीजंतेष्याचितःपंच
वहलुदह॥ ५ ॥ नमामि२श्रीभपु

खायवेय२श्रीहेतकुगीमुख्यमनी
वडनाग्निगुन्यका॥ ॥पूर्वादिगस्थि
नहनवती लवद्दर२द
हिनेपाग्रअनिवामविन्दुधना
॥ ॥पस्तनीवानिथागिनोद

३४ ची रणवाकालि लानगत्काम
लेवजा ॥ ३४ ॥ छिमूरवीठि ॥ का ३४
हिगवधा [illegible] वजगिलोच्छ
गानली ॥ ध्र ॥ स्वजदथीव॰
क्रिङ्कणुलकाठि लाचकमस्व

लनापूनतुर्गग भानोरनालानन
भिन्फेछधानिगचछस्वजाला
[illegible] जिलिणु [illegible] स्वनीवकजगो-
मिनी ॥ ३ ॥ हिनकवौलेवाभक
[illegible] नाम्वनमकुदकामि

३६ बसत्व अधिमभ्रा हंका नैरघु
वाक्विन भ्रु वार्गां ... हवेलगा गु ३६
गुत्र गलहल ६२ कृघुहि
कुचिक नाभ फतदै गत्वहि
हासिद्धि हलभ्र मंदृ२उ मेगै

ॐ मवगीविनाहिनिसवर्घ उँ मा
गकल्विं दि निलकृकानप्रगतिन
किवह्र रेउहृ षिजलकं
गग्रा हमृमलाया ॐ नील
वहींदेवीकवहिकपालभगार

मूखवबुगुहेभवकालि ॥
नावःलथासम्बलहायाश्वा
वानाहिअ लिंगनशाहि
मनावयिल ॥ जाद्भनिश्वामा
श्वङ्मनाहा२नुविनीयकगति

द्विप्रपवर्क ॥ ॥ काग्रवशकचिहव
गमिन२कालकाकमूखवउद्वा
न ॥ द्वदंगि नहलकाप्रि
नविनंकनाश्वननामिस्हद्य
मिहिद्वदायनि आगनानेति

षगगामिनी ६ नूम्रनामा २ त्रिहुद्धे
हंमाथदहिं मुषाहा॥ ऊँ॥ पिवदि
ल महानतम । हाहरनकेवि २५
या२ जगदेवी ग्रतेमा ७ नूरुनस्ना
नैः॥ उद्दिनाभीपिदलकेमलेत

यागप२ दहिविमातायियवनर्तहि
णी॥ नो॥ जिगित्यर्पनमहासुखेके
णीयार२ पंवीणि । यतोविडवा
पुहो॥ ॥ गगन्नवनशप्रसादेव
गुर्थाहिरिवक२ श्रानैश्वगितेसाव

च
८०
समद्धं॥ ❀ चानतिनैवा॥ जयेग
चैवाष्कलिनयतेखताम्कवि२
अखवङुःखन सानेनि॥ श्र
वृहीमूलञ्चनेहा कैकाननाव
कि मालनिनवान्वैःशिमपन
गु

पानिःदेहपूतनेःगिहंगनतीव
डयोगिनै॥ ॥ गयेंजयहजात
नघनसमता२ कनीकपा
लखदुागयोनै॥ जयेजय
नीदुरतनानीगिनःरथियवानीङ्ग

नतिंननाल॥ गर्भतयेश
रवकैंगगनतैमानेरुष्णननीम
रहेयवा ॥ कुलि
॥॥तिजीवे॥गर्भिन्कउदह
होथ्य॥ध पिया॥कमनकुलि॥ पु ६१

गर्हुमानीरुडमनुकनीट
कुर्ष॥नधिगु॥नामेरवतीं
गकमाल ॥ अहुना॥क
धीसम्बलतायावाकुलि॥तु
भीजेगुनिहोरमालपिलवा॥

गु ८२ चयियालंलाया मायूवंनु मूद्ध
सिंहुना॥ ॥जाणवुक्रमदेवी
मेहाथअथं नियाडनन गु ८२
सिअमालाः२ नीलकथिगलो
हिताकनकालरवर्व ठमूरव

तिविकलालजुडुना॥ ॥थलिंछ
प्रजालिनव चापाथियालं
कालिनात्र विम्वमूद्धा२
विम्वकुलिगाअङुचन्द्रकथा
यूकव्योघुचनरवेठ मूद्धा॥ ॥

श्री
४३

ष्ठ प्रिनंविनविसै स्वननाष्फ
प्रिनि वेकुम हांविपैविनार
कं नुगष्ठम नविनंविषै
ष्वनः ठंगपिसयालस स्रा ष

गु
४३

१ श्रीना ॥ ॐ ॥ नागनिवद ॥ थू
स्वयनिषंजन ः थूद्धयष्यनूय
म ः गगनक मनस्पना
धंनारशुन्यनाविनामिगनां
षग्री विषाद्भीप्रानविन्दुस

४३

२ अथआदिता॥ ॐ नमामिनि
लतिगविनितक्रनलागवहि
सुकतेनम॥ ब्रपितारसं पु
नदचन्द्रसनयगेजयकाति
गजलजचन्द्रसमयव्यापि

ना॥ वज्ञाजागम्बनमाबीनव
कवर्हिमनूलगुलहवानिक्षयथनि
र्मतलहृदया॥ लोचक्रध्वपि
तर्षहिनिलिकजप्र मयताधवो
॥ आनन्दयनमानन्दविनमा

४५ महजा बनुमानन्दगे सी हवास्य
नेमाविनमास्य नक्वादिलें महा
मुखहगन संघदवेनया गु
यीनाः ॥ ६ ॥ वजकालवक्राथी ४५
वक्रलम्व नश्रनल कोटिसिद्धा

पानेगना रयी हनउति याने
श्री मुल्लोगिनोगालें धनश्रदमहा
मुखेगानेङ ॥ ॥ नागल
६ लि: विषय थविनुयवनसंधा
स्प. जलाथि चन्धालिनातिकम

ख ४६ लरदहयिाजिनविम्बू गिसिमव
यिमूनतवजगिनिथ्यालानमय:
ष्मानसयतं। … उु । नेभर्म उ ४६
डघाषेकातवक्रे: हवजमम्व
लविम्वनूपं२पयियइमसया

य्यमभावनिश्वयामहगान
म्हभेयूस्त … नमूपै। व
पदर्थक … गनकूकुम:
न्हुतानानूनामसँगितिथ्वका:
घाथ्वमनँ२गगातइ:खनाग

नवौधिफलदायकयोगाद्
नैभाद्रूलावहद्यी॥ १९॥ गुरूवा
कद्दठध भेयाञ्ज्हुय
वनक्रौचिय मझिनकुट
वन्द्रालिओसिन्ध्व गीयार

व उचक्रपात्रशोनिनयनमेख
नरुर्य्यहिमैशानूवानाहल्व
नी॥ ॥ चि प्रमायागोठि
मलावर्यानिलावनावृद्धधर्म्मस
थमनमानातियंरगुरूवनल

गिलंगन थनिया गन्नलिसूत
नवंग जन्मजन्म भानूवहूसेन
र्न ॥ ३॥ नामईलान
मायाजालगिन्नूसंगमनि
खा२मोहनमायादर्थ्यनछ्या

दिलमायामाइ॥ गुसंमानथ्व
लानं२नागइथमाह्न्कादिलेनि
नथ्याता॥ थनमिख
न्यनछ नूयाऽजनमनिकि
कहूऽथ्यनूनाइ सह्जर्न

च ५९

गवनेघ उदनागनधविंयाःस्वः
सपनमसखासन्पय ॥ अथ
गुदुदयन्कनु ॥ खोनप्रसाद:
समवींगींनिदह:खमापहय न
कनांनिकवोहं ॥ ॥ ॥

गु ५९

श्री गुरु ५९

नागमालव धकि पालोथमालीम
गुलिदवी रहिघिनोव्याधिनिगम
कउलांकिनी ॥ ॥ नमामिश्री
वागमखन ह्ननमुनीयाःत्रिनिन
प्रदवीगिहवेतगयम ॥ ॥पूर्वउ

ग्व कन पश्चिम हां कैलाहिगंद बीरपगोपि
५० लिहिपनीक उत्तमकवागनी ॥ ४
चतुर्थसिंग [illegible] नुक्का हुसतंतु दै ५०
वीरप्रीतिनर रुद्रवीमाम्यानिदवी ॥ ॥
हनिहरुवंशा आर्युमणारः

धादूग्या सिनी तनन नमताबाज्रु
गगथैनमा ॥ इयथैवाकहिहैयूवृघ
नीयिरस्मयत [illegible] ह्नोहरनग
गाउधानि ॥ श्री ॥ नैहतगवनीया
हु कनमलजहिनक्कलनीपुमर्सुद

वे ५२

नागतेनवी॥ चतुर्थमूत्प्सनानि:
णिंबरुका·वासुकिनागगणिनि
मेघाश्गाह्ल ललमस्तानेश्च
श्वकद्दका·धूतिमघानकेकना
म्न॥ ॐ॥ ॐ उजमगलपक गु ५२

तूनवन्हिवायूनागनादिगविदि
गेवतिदेवनितेश्सूक्ष्मगध
नेक्षप्रितीवि नेश्वनाव
ॐ सहजानन्द नें॥ कुंकचि
श्रीनावनिमेघा·नालाकुला

श्री
५३

कर्कोटकनागराजकलंकरोसवाव
गिनगमघा · सर्वलिजलागमेघुग
कहका · [illegible] अदुमहो-
ता · शंखपालनागराजेशुहुनेः
घा · वर्तमहिन्द्रहारस्त श्रीवाना

उ
५३

कनेंडहका · घूनिगमघामहाप
घा · [illegible] धानन्दमानिपकोदि
हका · अन [illegible] मनागपुत्र
तामघार क्लिलिकिलालवासु
कीनहका · कुलिकनागवपंन ·

पूजा

वं मधा॥ ॥ध्वदंगं ह्वादंगंह्ववना
५४ वउत्तं श्रावद नाह्वादंगनय ७
ना२सनापि कश्लेपाल ५४
यारवकृत नरक्ष कालीनाग्रीपे
पूचायोपि वदना ॥ ॥ ॥

नागश्रुष्णाहेनावि ॥ धूमाग्नि वं
स्तुकगापिर हि गुपिंकृलकग
वयहः ॥ श्रु ॥ ॥ गुह्यपेलकृ
कृंहंहुकनकनगरनानाविहान
गेद्रु महावलिपूजा ॥ ॥ तनथा

५४ श्रीगणेश

स्री
५५

कु योगभन्व नइवा२वाकुनिव
दवकुउमूवनयना॥ ॥ मित
यकनंकछु ॥ प्रावतिहय
ता२ धुक्षिकनंकतनाकुतवय
नो ॥ ॥ जीदुमहायतिधुनिव

उ
५५

मगयह२नसमांतमछुजूधिव
शहनै ॥ ॥ नागनामकवि
इकुकेदहधनू संतानतजू२
दुहाआलिगहायागधजू ॥ ॥ कुं
हवजगुकुतनाकैकंरुनेनाकंद

५८ हुँ २ गन्मा ग ग हुँ हुँ हुँ ॥ ॥ स्वनन
वैदिगवनल धनू२क्रन्हू
मोविलेयनदेहु धनू॥ ॥काव ५८
विनूकोविधमगेहोक्निगाथि२नेम
केनमकेथोहवगतुकोगुनछ्रयाये

५ मागवसंत॥ मधूनियूत्रिवृवाइ
श्री यनिक्वूलालार सकलदेवग
णविह्निनया ६॥ ॥ श्रु ॥
मेत्रिआदिवुद्धयीमइंलकुमालार
त्वश्रीलवन्धूपियवमनूरणवना

च ५ ॥ कूकूनत्रूविनातूनचिनावि
यमारगूत्यांकिगातिनकूतूदीवि
हामा ॥ वि ॥ ययीविघनकु गु ५
नटयांगमननूभरविश्वविद्यावि
नयीग्रुनूश्वयते ॥ ॥ गनगुनूत्व

नहाविनूश्राप्ताध्यरगमघांकिग
वगिनयवनकूलिभ ॥ ॥
नागकर्तूरि ॥ श्रीमहनाथ
वनमाहोचीनृपिजयारवन्दु
हारत्वकृधानिनागवारकृद

५८

ङ्कृ॥ क ॥ नमामि नरगणम्[illegible]कमा

नोरजगोदि श्वनजगगनगुनृत्वे

नच्यापिता॥ ॥ ॥ पूरु कधन ख ५८

पुत्पवनमयुरुलाषाय्योधम्र्म

का गुरुत्यानंनेयालम गुलवेकि

ता॥ ॥ जगतनाथजगतनिनंज

नगुरुरतर्वे शास्त्रविलावदर्पहि

कॊनिनंजना॥ ॥ ॥ ॥

नागनालिगुजलि॥ तत्संयम स्पे

ह्रीं गीनित गनुच्य ता २ ॐ श्री-

[illegible]

लग्निपिङ्गलकम ॥ क्र ॥ ङ
गतनूकैपा ल्पागुणं२वी२ इह ।
माल्विष्ठा सनिद्वो ॥
॥ ॥ नकनयग्नप्रिनिरूद्दमा
ला२खडकर्पाङ्दयालनीलं

ष्वना ष्पाघुबर्न्मवन्न्प्रत्रा
लिछा२रवर्बेलला दनमर्वको
नी व नलसन्नूल
त्री३त्रमानूनिमामा२स्रनार्षः
श्री अ नापवंगगितचनिमः

६०

नागलोकानि सूर्यानिर्गतय·
मनयान् सूर्यमोयालङ्कृत्वा
वर्ण्णविचित्र हान्दा· नाना
विमानगास्तु नउवनउ
निर्गतानि· नर्कन्नासहास्रे

६०

ङ२थासाव ॥ सनलोवन· ॥ सा
यद्मसालेषिवड ॥ ॥ गुक्कनुनं
प्रविवडथा· मासोविन्दुन
विलु२थक्कु शापनन सहास्रह·
नोगदिननौविल· जिसयनी

व विन्दुमेहावदा· लिनिगावयिनन
६५ गर्वरहन्यनि नेङ्जनयवनप्र उ
ह: नेगिय पूयनमाउ· ६७
॥ ॥ उमगलमाफ्वनाहि
नासफनमिफ् २ तिनिमाम·

धुलबकह· गनयसंगबसफ
॥ छ्रै: ॥ नागसलोउ ॥ ङेकुडह
थ्यवोनामिति मु· कायाद·
हिवाश्कायाओमिनपावुम
दिनि· कायासवोगिर्य वो

लोगनलोयाणु योगिनी· वन्ध
६२ प भय नविहना २ कायाछ्यदि ङ
लं आनन्द·   मानगभाणु ६२
ह लंकमाला   कायाबन्द्
कायामूर्ल· कायानकमला·

लोरपोछ्रु तनमा नविनयोगि· मि
थोहूसूक्रिंग नाद्य   कायाग
शाहगकोपा   महावोधिका
मानक्षितिर्म २ अ फुलन्हईवि
लभोन· कायामसूमङ्लं

च भूतयोतनानन्ध. [illegible]गिनवड
६३ वान्वारविययोस्तनिदवी. श्रपी
लगीमंघ [illegible] वादी उ
नागनोऽ [illegible]वनिगन. ६३
प दादेलमाभ. कवोगकृ[illegible]

[illegible]मार्दुदहार नीलहविनगक
पीगवह[illegible]ता. म[illegible]दग्मस्प
कपवैभत [illegible]गया
नमामि श्रीलिडाख्रिमहल
[illegible]मा. वजपानाहि भूस्पताक

श्री त्रैलोक्यरागिश्च मउर्द्धमूलः
६४ हं गमन्विता । स्थितं खवंडा भूः
स्वंत्मपूर्णि हेगा ॥ ॥ उ
प्रथमपूर्ववडाहिं गुह्यनामा: ६४
षट्त्रिंशो लेताकिनीवरापा:

द्वितीयवृष्टिआकाश वायुभिः
निरुद्धा । क्लींस्वियागिनीसर्वा
कारो ॥ ॥ त्रि तियवर्णेन
अग्निमहस्नानादेवी । वदकं
समालादि धूतारचैतुर्वगच्छ

श्री श्रि ।वकायनाग·जङ्क्षासिति

स्व छकचगुभगनाथ चगु

नमङ्कलिमह ग्रवाधिन: उ

चह्रग·द्वानच्यदगह्राप्रिंग ६५

नगमाप नै२जकार्द्दिवमगु

लपुदक्रिणभ:गुनुयादगिलधु

गडुंकाचवगा॥ ॥ नागच:

जीग्रा।बामख सनधनद

हिनकर्किंरपायलनोपुनमु:

छुनंबीगिनमाना॥ ध्रा।द:

बिनावोयि१कआनिवजभागि
ौरविप्रनिभग्रदवोविविवेहाय ७
यिस्य, का हम्,विहुरि ६६
पागनवन्द्रिल२वागद्दरवभा
हकाटिनठ्ठदे॥ भूलगुञ्जु

दवोवि॥तहवो२गुन्यपाग्रद
वोगुयस्वलाव॥ ॥ ये॥हमल
नलापाकु नुहकलाया२
भाकमागदवोमविनदवो
-गतेनवि॥ सुवत्र न्नायनीह

पं
६ समानुष्ठा कहाकवर्ह्नि ग्स
प्रेआपि२ उक्तवमाहं स्वनीप्रय
याहवैचंद्र धवस्तवर्ह्निः ग
पिणूलहक्ता क्रु कं स्थू ६७
गम्भनेः नीवनामहिगंस्कृ

वैगहापातिसहिता२ष्पूस्पः
ष्टिस्यन्नूक्तवमोगेप्रदानात्मः
वैगेयायात यहवहा॥
यस्विर्मेङ्द्धायानिहक्षियाह
नेः क्रूमवर्ह्निवगहस्ते२द

ज्ञ क्रिहायानाहि पणघारनुपि
९८ अक्रुगसाहितानाहियानाति
ॐ म नेयांप्रिका: ७
देवीक्रमनवद्वां·कालिंइदोवे ६८
गालउमस्ताहिता२थ·

दिसकोमाचीमयूनवाहनै·
नफनाग्राढिवर्क्षि·शक्तिधेनी
नैक्ष पुवेक्ष्विग
ऊउवाहनै·गरुवक्रमाहि
विजयहकार२वायुध्वामू·

ब ण्अ देवी कैकाल पदेनासिंहम
१८ हनखड्गहस्ता ॥ अथस्फुल
नागामध । इत्यादिकथया ण
लनश दुर्गे देवी स्त्र ण माभि १८
श्रीभ्रावाधिपाल एकि मूर्किथ.

सोतोद्रु छलदं ॥ श्री ॥ नाग.
गंधारी नीव ॥ गुह्वेवगजीति
नमूर्ति. । अमूलायन
वोहि ॥ ऊ ॥ नावपिवडसव
पनमस्वपनिन वोर्हि ॥ न.

सिमहपुत्रक्षिनक्षुदणक्रू
र्भीमहध्रवर्ति ॥ नक्ष्वि
रिद्देनभूय नविगमि
यवेलायनमलवर्ति ॥

नागनादि॥ यायाहिदक्षिनतो
दलमनागा दिनफनतन्त
मधिस्फिनार नक्षधमोद
आवायथितोदवः मूकतेग
हिंगम्बना॥ ॐ व्रनमामिवा

व ॐ लिग्रीवज्रयोगिनी· ऽनुक
८१ मो धिप्रदायनि ॥ ह्रुह्मे
त्रुकमूख· पिनिलोच· गु·
नी· थाहिगवत्रप्र कालिना२ ८१
पिरवशमायनीदहिनकटि

धापि· मर्जयुनितकपालध
नि ॥ वाजिकेतुलुकहठधा
नि· हाय्थला चैकहुविणी
हुनहुनौपुर· दहिनकटि·
नरवला नपोगिनमालाविह

गु

सिग ... विश्वजनीनिजञ्ज
नेत्रचक्षुषी: गवलयकान. गु ३३
गीविनेत्री श्वेत्रस्तहृ
ज्ञानदश्रवणुयानिदेवो: म
ङ्कितिङ्किवनग्धश्रहायनि

नागकर्ष्टि ग्रीष्मवगनेत्रालादवी
गिरिवसनाथ२पचेइजिनश्चापि
गयचैरवरु दश
नेमामि२ग्रीस्मकृष्णायवेणु२धी
कुकपीगूपश्वनाववजयागोनिगु

७३ श्चना ॥ प्रपदि॥ मतेगवृनी:
तवहरीरदाहिनवाग्रथभापिया
मविश्व ॥ ग ॥ घस्त: ७३
निवोभियागिनीदवीरमव
निविलावनकुकानसवेका

नागविनास ॥ उद्दिमानगयिपयाप
वनसेङनारवलीहरुहयानकज
गलंह्नना ॥ ॥ छु ॥ धानङप्त
गवनितेकपिनारुवयीन
लंगनमाकलह्नना ॥ दिनक

३४ नमञ्जुलमध्यगमारवत्कूहाम
मृगनवलवसकला । हम्भोजा
लीगमत्र । गिनिहदार ३५
दवालूनवनागिलनीममा
मधलिपवनधागिगुन्हकार

वजयावाहिदुरुगिलनक्षीगा
नामविताम:दिहाजमकलूनक
वहलेरब्धन । मकुद्कोगीप
निलीवना । क्र । नभादवापु
धुजाकिनिविश्वजननिरुछिद

ऋशंश्रायिमिंक्षनस्त्रनदायुनि
रहनकमपगाक्षनामिनिद
र्थति२वाम क्रौटकवटु
र्मलमांपिवर्धी गश्चनिमधु
लमामेवादियानगमनेश्वल

नोपूलखचनगनमंध्रवीसिता
श्रीविद्याधपिदवीसूखनपनमोहिगार
सकलश्रीहु निक्षुदहिमः
नोमा श्री नागनाट कंडानेवूप
लोबानखच कवनेनूपवडु२०जय

च निक्ष्गनतयाजविशुद्धि ध्रु नाव
७६ ॐ ष्ट्रवधुपकालकमालरवद्ध
गाउमनूप्रि [illegible] ध्यनतीगिव ७
माला नाव [illegible] ध्वंकूलतयाल ७६
वंगलध्वंकूलविहनाश्वनूरु

नधुनगालितयलाविशुद्धि नाव
कक्रवालहप्तुवउकहवालि
नारध्वध [illegible] वकालगालित
हप्रनद्धा नाव [illegible] फलहूरहम
गविलगुकुश्चारपिहवनाथ

न्दुकमलानाथा नाथं
ओंगवानकवि शिवदलनं
प्रनिगवर्त श्री काभागय
निर्वाणगिरि निर्मलमतिनाः
नेपालमण्डलनाथमगीए

तदिनद्व जगतमण्डलनाथ म
[illegible] प्रियापतिगणि
[illegible] वादेवं प्रनमा
मिकमलमलोकेश्वनदेवरमित्र
ओंगिवं पूदमयानिकमलायाः

७८ वनपतितेमुगनागिनवन्द्रइ
नाप्रिकमलविमुख
कामिनवा धिपालेवाम ७८
कमलधवलाथ्य२तुङ्कम्म
यतंसंगकष्टारिदुःखपा

यहमहा ॥ ॐ ह्रीं तारावीतिका
याभगवतिनमामिथीगुगमल
लोकम्बर देवंरनमामि
नेन्द्रमल्लदेवःस्वर्गमपा
तालयादेवी दशोहमिदं

त्रिभागलकनधभिथ्या·जगगना
मेअत्रायदागास्त्रभिर्मानगि
लेगनधवि यागीलाक्ष
ष्वेनसवनागीतये
वागलाभाउ ईविजर्मनव·व

समदेहानवयमंक्षत्रिंशागलक
हधनारक्षादमाहगवेदवदना
हदगवर्तु ननकनत्र
क नमामिश्रीश्रिवज्रकमव
मालगयगवकगयहनर्षा

च चतुर्विंशतिपिथ्यगंक्ङ्ग्रिस
८० त्रिविनश्चनारस्त्रउत्रकर्पेन
पूगारस्वीम पूगब्रगति गु
तस्मिग प्रश्नामेंयूनश्रीत ८०
कालीःप्रदाकानाश्रीगेंसंमूदनार

ह्लारगर्द्वीन्द्रकतावानमामिश्रीच
कमस्वलनायाः मनयूनव
नहगिल्यं गनधेर्यंत
नयिगितायीदगकलिंमभरवान
यमिलमनोहर्यंसग्रमग्गुल्न्यः

वाम्हिन हूं वागकाम्ह पूर्वदि
गस्थिनयोनिदेवी गंकानसंजा
गनोलव ॥ ह्लेतरदक्षिण गु ९१
दिगस्थिननावोनिदेवी चंका
नसंजाना स्यामवर्ण्णेन ॥ हू

ह्रं वजनेवालादेवी हृदजागि
नी दिगंविदि गस्थिनयमना
मिनिम ॥ पश्चिमदि
गंस्थिन वगालिदेवी वंकानसं
जानपीतवर्ण्णेन ॥ उत्तरदिग

सु स्थित धर्मविदर्वी·पंकानरं
८० गोगनकवर्म्मना । अग्नी
सिदिगास्थि नसर्वविदं उ
वीमैकानसंगोगन्धानवर्न्न ८०
मारनेसत्सादिगस्थितनवर्स्म

सिदर्वी र्वकानतजोनतस्व
र्म्मना ॥ वायव्यादिगस्थि
नदविनी देवी·दकान
तजोनकर्पूनवर्म्मना ॥ ईश
नोदिशास्थितावृस्कनीदर्वी ये

वृ
८३

णानसंगानस्यभवेद्वहलेता
ह्लवानिनामवनोके
षेस्थिता । हृषनलम पु
थन्वेयसंजातास्यभवतिक् ८३
लिभवार्यदिगवंअन्नावे ।

श्रीनृपु ८३

दानपीतनाव्वच्छावनदाग
ज्ञागनाट मकलाजगाकगुर्व
नन्वलवि । ॥२भनूप
ष्णकनूनकोनिम्यविशे
क्ष मन्वनरकृनमीयनोपि२

बिंदिधबिकल्पाविनासननूवं
॥ रुधीबायाहिगुरुकमाहिग
इगारगधा ॥ पेहलवहाविभ ८८
लषिगधा ॥ सकलावधूह
किमीनिपगिजूरामरजीतिपीति

स्वर्गगति निवाण लसूठा ॥
गो यागावकागाहतिनांगोवि
लोरछनु ॥ षषमहरवषत
मागनस्वविषल ॥ बागना
लोव निऊंहिवजेवधूवहैसूव

३ न्या या २ श्री ह न ग म ह्य थागिनी
६ धा थम ॐ ज्ञानन्यादिः ९
काछि ति ज्ञानन्यादि ८५
ँ थी २ पवि ना वी ति ह नु ब म न
ता नं न्हे पू च्छ कि ति हि

ति छु नि ं कु ल ह नु व २ स व पि
ँन ह्य पि व यि स ना का प्रा
दि या नेगं लो थि व च्छा ति
ँ गि ना स्व ने ह्या कि नं वो यि वा गं ति
भा लि का ली ग यि या द थ नं

प ८६ ॰१२७यउगोगिनीमंजलागि
ण॥ यमिसायिशविनीभूय
यतेगोग्य२ ॥ क्रियांकिकनल ए ८६
कलिगाव ॥ धम्मनिधाल
यिचोनियकोलि२लेयनवउमम

मागविकल यवमगोनवगोव
नेलायक२नेचविग्रहनवया
हका ॥ श्री ॥ मासनस्थानि
धमूप्रनीविक्रा२नवघूनमा
नसीत्रनप्राविव्र ॥ नागहूयन

श्री माहनङ्: र्धा२नवघे ग्नुन्यसमा
५ नेनदर्थ्य ॥ ॥ लाखमूलावन ७
मित्रनस ॥ मू२निलवंग· ५
नहड्,कुथिशुद्धि ॥ घनतुथ
नेतुवह्रोत लोका०तनतुतनतु

वधनमूस्त्र ॥ ॥ लाकामूह्याति
वेतिनतवं२तवाविवेर्ङ्गितासिधु
नेलश्र ॥ ॥ तस्वातगंध
नेमद्वनेनूधा२नेवनेमेनच
चिलविशुद्धि ॥ ॥ स्वगनधर्म

नेमजलविशुद्धिरमृदुस्वना
स्वनमृगमगगृजलना ॥ ६० ॥ गु ८८
गगकामा ॥ प्रज्ञलिता
ह्रेकायमागतवसमूर्ति ॥
ह्रनिलावरुसमहागितमार

विस्वावजास्तिगगृहिकतर्हि
वलनकुटक्रोताधिर्य ॥ ६१ ॥
लमामिया प्रवृहोविनं
नवसिंधुनसिंधुवकवर्नरवि
स्वनाथप्रितवहप्याधर्पिता वसा

निष्यतनकनर्श ष्नग
८९. शानूसिंगिमिग्रि त्वनविनै स
षनस्ररव ङस्थानैर ८९
वामनर्गनिहदिषागधर्व ग
वामित्रासनवन्धनकनर्श

नानावलाहनोयना कदिम
स्वतहभिनदहा२ड्रेसाकलाल
तिमंछोवद नाप्रि त्वद्द
लाया प्रवट्टुविन विनाघि
पतिसर्वतयहस्वनी ग्रगापिमम

९० स्वादि तानितमनमा।२६ स्तननंन
मज्ञादि वीदेमयादं सर्वलिद्धि
भागहल हं गः ९०
गातेनवी नमामि।२७ जिनध
गुरुकेनहाकलचतुनमूर्तिभा

लिंगिता।२८ वंदेज्ञानपंचं
बोहुस्वनूपावृद्धधर्मक्याल
यस्यसा क्र गतानां।२९
गगतैतावतुष्टेया मेस्य व
हननेमीहुरुपंचेदजिनेप

पु १५ नाः२ नमामि२ श्रीसालिपु
षमनमाद्रिसिद्धिवलग्रस
शानि २३ ॥ मितहमगात पु १८
वैयापगांधिकवदानपुरायु
कमाकप्रद ॥ नमामि २४

र्मधर्मरुवागिभवंयादगाम
नैपरिनाद्विगा२थादगामन
रीनहामूनं ॥ कानासहदं
वयपिमाद्विगा ॥ नमामि२
पांगिभवनमक्षलयपगि॰

९२ ।जिनवीतिनः२ तत्त्वविगाढ
[illegible]वीविनाशि तथ्रतमोनि ९२
जिनचक्र [illegible]ला
गागतेनवी नमामि२ शुह[illegible]
जिमहायकानिःस्वी२[illegible]

तथ्यप्रयत्निश्वानतीःस्वो ।। [illegible]
नमामि२ पड़माहामामणि[illegible]
[illegible]गगने तालध्वानिद
लिला२ [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]

श्री णाई॥ नमामि २ श्री सर्वध
६३ नदेवविडायसालिगा २ द्वाद
शवर्षपूव पोशिविवा गु
निता नमामि २ श्री वृजना ६३
मतिकृनिदेवी २ धर्मको

शविवावितनिलोनत्वयैति
नमामि २ श्री मद्वजग
गिकवीर गा २ प्रहला
मिश्रीयड्ग्रागिदेवीसद्विसिद्धि
दीहेम ॥ ५ ॥ नागधनाश्री नर्वा

३६ ...म.... क नै ...न
रहागधिर्वर्णछत्तायिमहाम
रवलाया व रमूर्य इयिम ५८
लिखा ... नपावर्पिनोनचन
िशम ग्रिट्यदानेकस्वनूयिर

सर्वविकल्पविध्वतनिरवी ध्यनृ
नसनवनदायनी ...मीतातम
...तवरिपा वेपिनी कल्या
ननभिवयूप ...पिस्कनारि
...यालरवनुगाधवि प्रस्फ्रानव
वदेहो देगाम्बनम ... केगी

प
९५ वीकिद्दुलकत्थिभिरकूचलनस्व
सा·पायलधभि·गिव्यरूद्वनवापिल
माला । त ॰ वंतथागतगनीनि ९५
स्वोपिविनाहितलावच्छलावारथीवकः
आगिनीवनवभिल्पंगतथुविया·
स्मलीकसमनरवंगा॥९५॥ ॥

नाग।कःलिदि नीलङ्कानध्र
केलितकिनेतारद्दुपिक्ष
क्षमयोहव । कलाया। क्ष
नीलवंल्दिवीकनटिकया
लधनीरङगगनमाकनिः

ीनेपालादेवी ...
नहिरिश्रालिंगनसमाधि
२ मादगत गकआट
कवनिया नम्नविहग
खप मृद्धातनभ२ब्याघ्रवे

र्षपाहनतनभिनमाला
ठक्कामहश्वन्नावायन ॐ दूर
चायधिक्रउव उवनहोचगु
र्मोलनहमि ॐ नागीविताम
कीटिकृकककनूटदेवीनूदमाल

का॥ नाउजानन्द वाक्कलि देवी
रु नोवधि॥ कालिप्रियमन
तुक्कोप॥ का लि२सयाल
विंडु मन्युक कालि रु
क्कवाक्कलि देवीनानाथूर्य२

तुरुपादनागीगयनलयिया
रुक्कवाक्कलि देवीजग
नातलनि२ नीङ्ग का
नग्राहे नूवनायिया मालि
हिमपडुपिपसर्वनह२॥सव

च नाचनवगगगिनीनाव ॐ
[illegible] नामस्नाम्नानश्री ह्रिगन्
कनूखवनकवर्क धिनन्नाश्मकुट
कुणदिगम्वना ॥ ९ ॥ गनाकंकगना
कड्गनानगकंकं ॥ नामकनाट
कदीहनकनाल्डिहजलत्वगहशारि

नाम ॥ मूर्यमजवमानयतोश्वमू
सुगिश्वगमहिगविरूपिना ॥ ॥
गागुरस्वन ॥ नगिल्यीगनव
नाश्वगवानाहिनुगपायगनम
॥ ॥

नयाला द्व व द ने प्र ख ब द्व इ ख मा
द्व अप्र भू गु कु बी गय दा ता मवा प
मिथुन संक्रां तो दिने लिपी
गसम्पू ई द्वि गु ती परवा मले

नागमधुनना प्रमूदिगद्दिदग
शुभितुंदे पिमनमेकृमधुल
नोस्तुगल पधा२ द्दा द
गाहुजबउवदनसमाति

व भगवानाहि कह० आलिंगणो·
१०० क्र ॥ इँईँऊँ ह हि हि ह्व० वघ्रु -गु
मालगयल संबाधियालेर १०२
ईंसं आलिंगण अ ष्ठयस स्मावें

नावधिसनंगीसन्वलनायाः
ऊलिंगपहठगडवमीग्र
गुणाकार्ट दलनूगुणसी
हिणारनऊँ पूर्णि गाकयालख
लाग्यपागपवेगुबंक्ष्मागिलध

श्री
१०१
वा॥ पंचजिनवचनमकुट आ-
लंकृतवज्रमुद्रासमयादिरूपि
णा२ श्रीलि ० कालिङ्गपि:
ङ्गलिंङचापाथि-याप्रवर्म
निर्वाणनकृपानां॥ ॥ वनाम

ङ
१०१

वमालालम्बग्रीसम्बलाद्व्यव
कृप्रिनिकनृणहृदया२ जन्म-
कृत्लमाकृत् ० इयायसवश
गद्विकियनशादिवजगिता
वागस्वजीमाद्धविनिसनोवनावि

पु आगयि कथि भरउचतवांराम
१०२ हंसलाया॥ ५॥ हईंगालह पु
मसंडगा निर्वानिगा १०२
सियालै॥ अनियुश्चमिय
निसंगनदंभरस्तहडतंदगि

लायाजिनकुंनयायिस॥ ६॥
तेकउंगोगिनीयलमेलसे
लारवजवा गाहिथ्रुः
लिगसकालै॥ ॥उथालगा
दोकनदकवागीरउपीज

ग थं आलिंगनगनीलवर्णयाति
१०३ नागतीति प्रदत्त सभोगम गु
च्यनकथं॰ भोद्या॰ वं १०३
काचातूतवर्थीवजवायाहि २
हिगगैत्रकनूखवनकार्वहर्ले

तनमकूनकैगादिगम्बना
कं गैनांकैंकैंतनाकैंकैं-
तवागतेकं कैंकैं२विब
उननीदवींगीपवमगुस्पब
नौ॰ज्याद्विसाद्विवनप्रसादाय

ब मित्र ॥ ह्रीं ह्नकनटिमाला
१०४ मुकुट हीनः वामककपाल माला
दीपिवर्यिर चाक्रिकु गुल गु
केहठ गुसता · हाथ्यलोचकम १०४
स्वलेत्सियता ॥ ॥ वनहानीप

नभ्रनीकटिमेखला · नन
मित्रमालाकहुठ भोविरह
नाम्रलवींदि नयादयभ्रे
त्रिलोकजननी वनधमि
लेधेना ॥ ॥ गमहालिवजदे

च
१२५

वौर्वचितवनहे॰ रावरायः
मानतिविश्वबोरमहना
नद्दश्वनू ० पितोदवीः
भूनूकनवोधिप्रयायनि॥
नमालव॥ग्भोपिवो

गु
१०५

पिवगालि॰ घस्मपियूक्ष्मि
२सपपिवक्षालिदाविनोम
हुलप्रवेभा॥ ० ॥ क्र ॥श्रान
हनावॐ॰ इनवलपिया२
नेमाम्माचानिकालेलपिया

च
१०६ (।पवंमरविहुगमूकुमासा गु
॥ ॥ वंगहुयघामवंपंवे
किंगम्वगा पंचामय १०६
गमगमकुदहनेरदसडुवे
हुगुमयेमृगमयना ॥

विमलसर्वफरूनाबाल२
रानेयिश्माघवजहसूवका
नेर्किं॥ ॥ वागमान
श्रीनमामिरश्रीवजथागिनार
गनूमहुलमाम्पथजतिगा

वै
१०१

देहा ॥ ५ ॥ नौमिग्रीवजना
गिनीतोहितवक्षतारवूनु:
फनवाविप्र पार्यानिदवी
प्रियवनव्याथितारीहि
नेकचौकिथौनिरसहगान

उ
१०१

दस्यनुनिदेवी॥ ६ ॥ कथाम
तमनोहव्यमहुलारवाम:
स्वरूपन केदखद्वाग
मनी॥ ७ ॥ नकधभैरयावा
पयिंतादवरप्रहगमीवा

व
१०८

ष्ठतिगुरुक्षणगतो॥८६॥ ॥
श्रीजिनदत्त॥ श्रीमत्कृतमद गु
रिदंस्य तास्यवाश्रवि १०८
धिधिनत्नमहिमकुपविद
धिता॥ कृ॥ नावं॥ नैपीप्ध

वल्लविनाऽनेनाचउष्मान
दविनाशयितुश्चना॥ ॥
ध्यामतम वविदम्मु
धादंर्शनाश्प्रष्ट्यालगह
रहृदयमहासरवं॥ ॥वि

ख १०६

गग व स्यूति गवायकना२
ग स्मानिहत खज गर्जनिया
मः ॥ मा ववानव द
र्यानि विनाविघृहगारचवि
गणि कगनक·गगनविनाम

ग १०५

यिभुवला॥ ॐ॥ नागर्पवैद
म ॐ कानसंजाग सहजान
नरूपवना वसूलोकय
लवैल संहृता२·कायवाक
चित्तमनःप्रेमकुलताविविध

व
११० पूगिता ॥ श्रु प्रणमामि दि
दृजसम्बलाः वजवा नाहि गु
गुन्यामक मृणमय ११०
अर्पितनगानावलि चउ
ज्ञानचतुनसकृपमनम

माहत्या ॥ २६ हिनकनक
वान पण्डा उगामकृपगर्दु
चन्द्रगज्व मेरपिना
चलहनीपूनसमचाविद
पितमूहमातादिगस्विनद

पृ ११९ हा॥श्रीपृसंहाननाथअथा

मेन्देनावयिअहूयतमा

धियाथि गारखंडमू पृ ११९

आसंहालिंगहामदहलप

नमानन्दमूर्ती॥ ॥सव

लिवलवग नयोगिगाग

स्ववंहागिलिंगगवधनियार

घडागिराय दुर्गतिनास

नऋषस्नहुसिद्धिवचप्रः

भिदा ॥ ॥ ॥ ॥

श्री ११२ नागतैवि ॥ स्पष्टं त्र वालदि
गौविदिग तत्र वन ध्वनि तेंमोह ३
चतुनवद नरगगह ११२
गुथन गगन तूलमूल काना
गगनं ड मनूपहः वाडियाल

ॐ ॥ ॐ ॐ नमामि पञ्चदाकि
निर्यन्त्रैषू गाति ह्यनजाकिनी
मचनङ्ग ना॥ ॥पूर्वउ
त्रै पश्चिम दक्षिण चतुनद
के हं विघ्र मालाविघ्नखांदिया

ख ११३ तरजकिनीमूपिनीवउतिके
गाडनीघावर्वेगालसंग्रामव ग ११३
दर्ने ॥ ॥मि   घिनीवीघ
नीजमूकीउलंकिनीरवढुंग
धनमूऊकृगहकारवगजी

नीघावव्यगालजाकिनीवकु
लजाकिनीवगुनदंवो ॥ ॥डि
गजननीद   वीजाकिनीठु
कुवायगनना·यकेमूड्गाग
ठ्विर्ल्मिगारवजुहंनकवग

१२८

घष्ठरवहुगपात्रपवमश्री
मानदेवी ॥ ॐ ॥ नागाद्विताम
त्रिद्लक मलवटे
डेमप्सप्य·मधुकनेहनु
वेनिनास्थी·वेनुवाक्रग·ख

गमूखदेवीमेदिनीनेपाल
यथापिता ॥ ॐ ॥ नमामिश्री
नेपालादे वीतिटव
हनागा·वफलदेवीग्रीमि
गथिलिरमयलरहनाहून

चे ११५ कंपीतवनह्म अनेगआद्रिति
सिद्धिवलप्रसादा ॥ नेदन
सिववन चेहुनगनू गु ११५
वें अनेगकूम्हमयालिजाग
विनेरनिप्रगंम्प्रेवागमति

तिर्थ अनेगिर्थम्हनक्षप्रवने र
रुहेनवत्रूरूयागिन
देवी अनेग ह्वीदिवांम्हन
गंपंपालरकूकृमहातयद्गेनि न
निवबाहेहा अनेगाविघ्ननिनवा

ज
११९

नु ह्॥ ॥विघ्नविद्यापितमानुनि
देवी अक्षयनिर्जन जातिम गु
धैरश्रीतम ... अमूखछल ११६
दीयानि देवी जन्मजन्मनुड
यायलमखे॥ ॥ ॥ ॥

नमनाटा सकलजगतसंसार
नुपाहरसर्वनुयधवहलोकः
लोह॥ ऊं॥ ॥देवीत्रिदेव
नेनकुअवलंरजगतबुद्धम
यलवैमिदनुपाह॥ ॥अड्हे:

वे ११ दिअहंसिद्धस्यअवनगग
माईरअहंग्रीशूईपूत्रव
नेपूसका ई॥ ॥१९॥बा गु ११
सूनाईजमजनकाई३५
हेजमसहमयूविप्रासिद्धि

८

।पागगण्अहेयविा।तिरलपत
गुङ्मह्ाल महम्मूवकाि
यान्दवीव ङविनाति
नितगम्हानवऊ॥ ङ्क ॥पि
वयिलमहानमसकुदहनरव

ब
११८ र्गे माक्र मार्ज्ज मत्त उध न्नेहल
र्थ॥ ॥वजबा नाहि न्नलग
अगगाशु॰ ॥वेलनई
पामन्तनर्द्वी॥ ॥पूजा
पूस्रगु ह्यालिषकन्तनूल्न॰

८ मलनर्वविन मत्र क्षयान मू
र्देथा॥ ॥गुनप्रमाद्नल्गर्गे
लिनागर्न॰ ॥र्नोयकूल
दल्आवाधर्वात्रिना॥ ॥
जागवसना॥अतालिकूस्पन

श्री इतिदंहःप्रतापवनाः भिविधि
११९ वलनामि मकुतविमुकिपुना ॥
कुं ॥ ना वैनथीजव गु
कविनाः तनावउगानन्दवि ११९
॥ लीयिजवना॥ ॥श्रीमउ

कवविन्दुमूद्रा दर्शनाः प्र
श्रालिंगलेजदयनलातें॥ ॥
विनागवद्ध गुणितवृत
कनाःत्यनिहनवजगांजलि
धाण्या ॥मालवेउदयेनमि

श्री ११९ कदाहिनकनीतिरक्षाज्ञात
नमस्मीतिना ।। सूर्यमह-
लमास्मृतो स्वमूत्रीतिर गु ११९
वउनाह्निनविदिषिता ।। ग
नगुनूवनमानिलगतगधपार

वजनानाहितुद्रुपायमयहला ।। ६ ।।
नामलीति ।। नालागप ।। श्लपं
वेनग्रीम ग्रीकृनानार
गमधनीकिवहानकालदहा
कु ।। दवग्रीमयायाम्हारहे

ख १२२ वगध्यादिमा२ग्रस्वजवन
हिनकनधमि ॥ ॥ वामयू
स्कधमरू नगुनूलाया२
पक्षपत्रानेकालिनहेद्दा ॥ ॥
हिनवामकनधनूलेनधा

नीश्ववुमालदर्म्यवानप्रज्ञ
ना ॥ ॥ जग गनेपालना
थप्रनोहिन हृदया२थ
लिननहूरवकुलवलप्रलारा

धर्मरत्न वज्राचार्य मुग्त श्री महाविहार

DH444

। बिहवज सन अर्पानु गैले
वजबानाहि ॥ वा ।

NPL
नि





